K9-वज्र

रक्षा मंत्रालय ने 100 और **K9-वज्र** **ट्रैक्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्ज़र तोपों की खरीद के लिये प्रक्रिया शुरू कर दी है।**

- सेना को 100वीं तोप वर्ष 2021 में सौंपी गई थी।

K9-वज्र:

- **K9-वज्र 155 मिमी, 52 कैलिबर ट्रैक्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्ज़र (कम वेग पर उच्च प्रक्षेपपथ पर गोले दागने के लिये एक छोटी तोप) है, जिसे लार्सन एंड टुब्रो (L&T) द्वारा भारत में बनाया गया है, जिसमें दक्षिण कोरियाई रक्षा प्रमुख हनवा डिफेंस से इसके K9 थंडर के आधार पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की गई है।**
  - K9 थंडर प्लेटफॉर्म पूरी तरह से **वेल्डेड स्टील कवच सुरक्षा सामग्री से बना है।**
  - K9-वज्र को **रक्षा खरीद प्रक्रिया (Defence Procurement Procedure- DPP) के 'बाय ग्लोबल' (Buy Globa)'** कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया है, जहाँ विदेशी कंपनियों को भाग लेने की अनुमति है।
- K9-वज्र को **मुख्य रूप से रेगिस्तान में उपयोग के लिये खरीदा गया था, लेकिन भारत-चीन गतिरोध ने उन्हें पहाड़ों में भी तैनात करने के लिये प्रेरित किया।**
  - यह सुनिश्चित करने के लिये कि **ये प्रणालियाँ पहाड़ों की अत्यधिक ठंड की स्थिति में बेहतर प्रदर्शन करती हैं, सेना ने तैनात रेजिमेंट के लिये विंटराइज़ेशन किट** भी खरीदे हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/k9-vajra